हिन्दी दैनिक

# सत्ता संकेत

बुधवार, 25 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 113 04 पेज, मूल्य ₹1.00

## खान-पान में गंदी मिलावट के खिलाफ योगी सरकार सख्त

# ढाबा-होटल में मालिक का नाम जरूरी

**लखनऊ, एजेंसी।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान ■ शेष पेज 04 पर

**ढाबों/होटलों/रेस्टोरेंट्स आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सी0सी0टी0वी0 कैमरों की व्यवस्था होनी चाहिए**

## सड़कों को दशहरा से पहले करें गड्ढामुक्त

**लखनऊ, एजेंसी।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की सड़कों के सुधार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आगामी दिनों में शारदीय नवरात्रि, दशहरा तथा दीपावली आदि पर्व और त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान को आगामी 10 अक्टूबर तक ■ शेष पेज 04 पर

## सपा के लोग बिना अपराध किये रह नहीं सकतेः भाजपा

**देवरिया, एजेंसी।**

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जाली नोट का कारोबार के कारोबार में समाजवादी पार्टी(सपा) लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रफी खान उर्फ बबलू का नाम आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता एस एन सिंह ने तंज कसा कि सपा के लोग बिना अपराध किये रह नहीं सकते।श्री सिंह ने मंगलवार को यूनीवार्ता से कहा कि जिस तरह से सपा का एक बड़ा नेता जाली नोट के कारोबार में गिरफ्तार हुआ है,तो अब प्रदेश की जनता पूछ रही है कि क्या सपा अपराध की पाठशाला बन गई है। दुष्कर्म और होने वाले अपराधों में अधिकांश में सपा के लोगों का नाम आ रहा है। चाहे वह अयोध्या, कन्नौज में दुष्कर्म की घटना हो प्रदेश में लूट आदि की घटना हो।

# बाराबंकी का लखनऊ जैसा होगा विकासः योगी

**लखनऊ/बाराबंकी, एजेंसी।**

मुख्यमंत्री ने बाराबंकी में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय के प्रणेता थे। उनका कहना था कि आर्थिक उन्नति और प्रगति का मापन समाज के ऊंचे पायदान पर खड़े व्यक्ति से नहीं, बल्कि अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति से किया जाना चाहिए। पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने हर हाथ को काम, हर खेत को पानी का उद्घोष किया था।

आज गरीब, गांव, किसान, महिलाएं एवं शासन की योजनाओं का लाभ समाज के हर एक तबके तक पहुंचाना सभी राजनीतिक दलों के एजेण्डे का हिस्सा बना है। स्वतंत्र भारत में इनके सबसे बड़े प्रवक्ता पं0 दीन दयाल उपाध्याय थे। मुख्यमंत्री जी आज जनपद बाराबंकी के विजय उद्यान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की जयन्ती की पूर्व संध्या पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करने के उपरान्त राजकीय इण्टर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, उन्होंने पं0 दीन दयाल उपाध्याय के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उसका अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में भारतीय राजनीति के एक नये सितारे के रूप में पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने पहले ■ शेष पेज 03 पर

**आने वाले समय में प्रदेश के 10 लाख युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जोड़ने जा रहे**

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा उसके बाद जनसंघ के माध्यम से भारतीय राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था के बारे में जो विचार व्यक्त किये थे, उनकी प्रासंगिकता आज भी भारत और वैश्विक समुदाय को देखने को मिल रही है। आज जनपद बाराबंकी के विजय उद्यान में पण्डित जी की जयन्ती के एक दिन पूर्व उनकी भव्य ■ शेष पेज 03 पर

## खास खबर

### 5 वर्ष की मासूम बच्ची से दुष्कर्म, अस्पताल में भर्ती

**हरदा।** मध्यप्रदेश के हरदा जिले के छिपावन थाना क्षेत्र में पांच वर्ष की एक मासूम बालिका से दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। नदी किनारे बदहाल हालत में मिली बच्ची को समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के छिपावन थाना क्षेत्र में आरोपी युवक मासूम बालिका को कुरकुरे दिलाने के बहाने बहलाया फुसला कर कल शाम पास के नदी किनारे ले गया और इस वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है।

### बाराबंकी में स्कूल की छत से कूदकर छात्रा ने जान दी

**कोठी (बाराबंकी)।** कक्षा 12 में पढ़ने वाली छात्रा ने मंगलवार को स्कूल की दूसरी मंजिल की छत से छलांग लगा दी। स्कूल प्रबंधन की सूचना पर पहुंचे परिजन लहूलुहान छात्रा को लेकर सीएचसी पहुंचे। वहां से उसे लखनऊ के लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।कोठी थाना क्षेत्र के कस्बे के निवासी दीपक मिश्रा की पुत्री वैष्णवी मिश्रा (17) बाल विकास विद्या मंदिर इंटर कालेज कोठी में कक्षा 12 की छात्रा थी। वह मंगलवार को सुबह आठ बजे स्कूल आई। सहपाठी छात्रा से मिलकर उसने बताया कि घर पर मम्मी-पापा ने उसे बहुत डांटा है। इसके बाद सभी बच्चे क्लास रूम में बैठ गए।करीब नौ बजे अचानक छात्रा वैष्णवी स्कूल की दूसरी मंजिल की छत पर पहुंची और उसने चहारदीवारी के ऊपर चढ़कर स्कूल के सामने वाले हिस्से की तरफ छलांग लगा दी।

### रियायती दर पर प्याज बेचेगी सरकार

**नई दिल्ली।** त्योहारों से पहले प्याज की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके तहत बफर स्टॉक से प्याज की बिक्री बढ़ा दी है। देशभर में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री की जाएगी। उन शहरों पर ध्यान अधिक दिया जाएगा, जहां कीमतें राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को बताया कि केंद्र ने दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के थोक बाजारों में अपने बफर स्टॉक से प्याज उतारना शुरू कर दिया है। सरकार की योजना पूरे देश में सब्सिडी वाले प्याज की खुदरा बिक्री की है।

# एक और रेल हादसा!

## पश्चिम बंगाल में मालगाड़ी के 6 डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

**कोलकाता, एजेंसी।**

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में न्यू मयनागुड़ी स्टेशन के पास मंगलवार सुबह एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी खाली थी, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद रेल सेवाओं में किसी तरह की बाधा उत्पन्न होने की खबर नहीं है।

चश्मदीदों ने बताया कि घटना के समय मालगाड़ी की रफ्तार काफी धीमी थी, इसलिए इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा।पटरी से उतरे डिब्बों की चपेट में आने से स्टेशन पर दो बिजली के खंभे और पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना मिलने पर वरिष्ठ रेलवे अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए।रेलवे सूत्रों ने बताया कि ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है।बता दें कि 17 जून को दार्जिलिंग जिले के रंगापानी स्टेशन के पास कंचनजंगा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी।

मालगाड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस से पीछे से टकराई थी। गनीमत यह रही थी कि हताहतों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी, क्योंकि कंचनजंगा एक्सप्रेस के आखिरी दो डिब्बे पार्सल कोच और गार्ड के डिब्बे थे। शुरूआती जांच में पता चला है कि मालगाड़ी ने पेपर लाइन क्लियर टिकट (पीएलसीटी) के साथ रंगापानी और चट्टर हाट के बीच की दूरी तय करते समय 15 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति सीमा को पार कर लिया था।

उस दूरी के भीतर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम काम नहीं कर रहा था। रफ्तार सीमा से अधिक होने के कारण मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी थी।पीएलसीटी एक पेपर ऑथराइजेशन है जो किसी ट्रेन को उस दूरी के भीतर लाल सिग्नल को ■ शेष पेज 04 पर

**न्यू मयनागुड़ी स्टेशन ट्रेन सेवाएं दूसरे रूट पर डायवर्ट की गईं**

## बिहार जा रही महाबोधि एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव का खंडन

**प्रयागराज, एजेंसी।**

नई दिल्ली से बिहार के गया जा रही महाबोधि एक्सप्रेस ट्रेन पर अराजक तत्वों द्वारा सोमवार रात पथराव में कई यात्रियों के घायल होने की घटना का रेलवे ने खंडन किया है।उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि कुछ मीडिया समूह द्वारा चलाई जा रही महाबोधि एक्सप्रेस पर पथराव से कई यात्रियों के घायल होने की सूचना गलत है। इस तरह की कोई घटना प्रयागराज मंडल में नहीं हुई है।उन्होंने बताया कि सोमवार ■ शेष पेज 04 पर

## मोदी, राहुल जम्मू में रैलियों को करेंगे संबोधित

**श्रीनगर, एजेंसी।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण के प्रचार अभियान के तहत क्रमशः 28 सितंबर तथा 25 सितंबर को जम्मू में सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करेंगे।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 सितंबर को मौलाना आजाद स्टेडियम में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।उन्होंने बताया कि रैली का उद्देश्य जम्मू के सांबा और कठुआ जिलों के लगभग सभी 20 भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगना है, जहां एक अक्टूबर को मतदान होगा। यह जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री की चौथी चुनावी रैली होगी। इससे पहले, श्री मोदी ने डोडा, श्रीनगर और कटरा में रैलियों को संबोधित किया है।इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी 25 सितंबर को जम्मू का दौरा कर रहे हैं। पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, श्री गांधी पूर्वाह्न करीब 11 बजे यहां पहुंचेंगे और होटल रेडिसन ब्लू में पेशेवरों को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह जम्मू-कश्मीर रिसॉर्ट्स ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर श्रीनगर के लिए रवाना हो जाएंगे। वह सोपोर भी जाएंगे और डगेरपोरा सोपोर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। श्री गांधी उसी दिन शाम को दिल्ली वापस लौट जाएंगे।

# कांग्रेस पर फिर बरसीं माया!

## छल-कपट वाली है राहुल गांधी की आरक्षण नीति

**सत्ता संकेत**
**संवादादात दीपक विमल।**

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं, बल्कि दोगली एवं छल कपट की है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस व राहुल गांधी की एससी/एसटी/ ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं बल्कि दोगली एवं छल कपट की है।

अपने देश में इनके वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन व इसे 50 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाने की वकालत तथा विदेश में जाकर इनके ■ शेष पेज 04 पर

**राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी पर आरक्षण की नीति दोगली : मायावती**

## समाज की आधार शक्ति है अन्य पिछड़ा वर्गः योगी

**लखनऊ , एजेंसी।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष द्वय और सदस्यगण के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि विगत साढ़े 07 वर्षों में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से अन्य पिछड़ा वर्ग समाज को मुख्य धारा में स्थान मिला है। ओ0डी0ओ0पी0 और विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं के केन्द्र में ओ0बी0सी0 समाज ही है। सरकार की लाभार्थीपरक योजनाएं हों अथवा आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकारों का लाभ, वर्तमान सरकार में ओ0बी0सी0 समाज पूरा लाभ प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आयोग के पदाधिकारियों को जनपदीय प्रवास के दौरान सरकार के प्रयासों/कार्यक्रमों के बारे में समाज से संवाद करना चाहिए। वहां से प्राप्त फीडबैक से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाना अपेक्षित है। यदि कतिपय कारणों से किसी को योजना का लाभ नहीं मिल सका है, तो उनके लिए आयोग द्वारा संस्तुति भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के सापेक्ष वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सरकारी नौकरियों के लिए हुई चयन प्रक्रिया में ओ0बी0सी0 समाज के युवाओं को सर्वाधिक हिस्सेदारी मिली है। मुख्यमंत्री जी ने आयोग ■ शेष पेज 04 पर

**- वर्तमान सरकार में ओबीसी समाज को मिल रहा पूरा लाभः मुख्यमंत्री**
**- जनपदीय भ्रमण के दौरान समाज के लोगों से संवाद करे उप्र पिछड़ा वर्ग आयोग, आशाओं-अपेक्षाओं से सरकार को भी कराएं अवगतः मुख्यमंत्री**

## बुलंदशहर में विषैली गैस से दो मरे

**बुलंदशहर, एजेंसी।**

उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद क्षेत्र में ट्यूबवेल की मरम्मत के लिये कुएं में उतरे दो युवकों की विषैली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गयी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने मंगलवार को बताया कि कस्बा सिकंदराबाद स्थित चोला रोड पर ग्राम भटपुरा निवासी चंद्रपाल एवं ग्राम पिलखन वाली निवासी महेश ट्यूबवेल मरम्मत का कार्य कर रहे थे। इस दौरान चंद्रपाल कुएं के अंदर उतरा। लंबे समय तक जब वह बाहर नहीं आया, तब महेश नामक दूसरा व्यक्ति कुएं में उतरा मगर वह भी बाहर नहीं आया तब ग्रामीणों में बेचैनी हो गई।इस बीच पुलिस को सूचना दी गई तथा पुलिस की फील्ड रेस्क्यू टीम एवं दमकल विभाग के कर्मी कुएं के अंदर उतारे तथा सर्च ऑपरेशन चलाकर दोनों को बाहर निकाल जहां अस्पताल में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

## लेबनान में हिज्बुल्लाह के 1600 ठिकाने तबाह कर बोला इजरायल

# अभी बस ट्रेलर दिखाया

**तेल अवीव, एजेंसी।**

इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने लेबनान में भीषण हवाई हमले किए हैं। इजरायली फौज ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी सहित देशभर में करीब 1,600 साइटों को निशाना बनाया है।

ये हालिया वर्षों का इजरायल का लेबनान पर सबसे बड़ा हमला है। इजरायल ने उन जगहों को हिजबुल्लाह का गढ़ बताया है, जहां उसकी सेना ने बमबारी की है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन स्ट्राइक को 1990 के गृहयुद्ध के बाद से देश पर सबसे घातक हमला कहा है। इन हमलों में लेबनान में 492 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी हैं, वहीं 1600 से ज्यादा लोग घायल है।

वहीं इजरायल ने कहा है कि वह हमलों को और बढ़ाएगा। वायनेटन्यूज के मुताबिक, आईडीएफ ने ■ शेष पेज 03 पर

**हम अभी हजारों और हमले कर सकते हैंः इजरायल**

## यूएन में मोदी ने दुनिया को दिया शांति और विकास का नया मंत्र

# सफलता युद्ध में नहीं, एकता में हैः मोदी

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।**

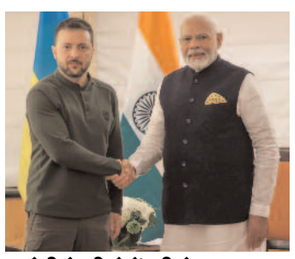

**मोदी ने की जेलेंस्की से मुलाकात**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक महत्वाकांक्षा के आधार पर ही सामूहिक कदम तय करने पर बल देते हुए कहा है कि पूरी मानवता के हितों की रक्षा एवं वैश्विक समृद्धि एवं कल्याण के लिए भारत पूरी प्रतिबद्धता से काम करता रहेगा।

श्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए आयोजित शिखर-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।प्रधानमंत्री ने विश्व समुदाय का दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और 140 करोड़ देशवासियों की ओर से अभिवादन ■ शेष पेज 03 पर

## देवरिया में भाजपाइयों ने फूंका राहुल गाँधी का पुतला

**देवरिया, एजेंसी।**

ओबीसी आरक्षण के खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान से नाराज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को यहां श्री गाँधी का पुतला दहन कर अपना विरोध प्रकट किया। भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गोविंद चौरसिया ने भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ सुभाष चौक पर नेता विपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि पिछड़ा समाज के प्रति कांग्रेस और गांधी परिवार सदैव अहित करती रही है। उसी परम्परा को राहुल गांधी ने विदेश में जाकर ओबीसी आरक्षण के खिलाफ जो बयानबाजी की है।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जमीन पर उतारे महिला आयोग

**लखनऊ, एजेंसी।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने नवगठित उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि देश में अतिशीघ्र नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रभावी होने जा रहा है। इसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की कुल सीटों में से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। प्रदेश की महिलाओं को इसका वास्तविक लाभ मिल सके, इसके लिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकास के लिए विशेष प्रयास किये जाने आवश्यक हैं। महिला हितों के संरक्षण तथा उनके कल्याण में राज्य महिला आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य महिला आयोग इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार करे।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर नवगठित राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, उपाध्यक्षों और सदस्यों सहित सभी पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने राज्य महिला आयोग के गठन के उद्देश्यों, दायित्वों, अधिकारों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं व बेटियों की सुरक्षा और उनके विकास के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। महिलाओं की सहायता के लिए विशेष हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आयोग की पदाधिकारियों को जनपदीय प्रवास के दौरान इन प्रयासों व कार्यक्रमों के बारे में स्थानीय महिलाओं से संवाद करना चाहिए। वहां से प्राप्त फीडबैक से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाना अपेक्षित है। यदि कतिपय कारणों से किसी महिला को योजना का लाभ नहीं मिल सका है, तो उनके लिए आयोग द्वारा संस्तुति भी की जानी चाहिए। ■ शेष पेज 04 पर

**- सीएम योगी ने राज्य महिला आयोग की पदाधिकारियों के साथ की विशेष बैठक**
**- भिक्षावृत्ति की अवैध गतिविधियों में फंसे बच्चों को मुक्त कराने में सरकार का सहयोग करें**

# सम्पादकीय

## अनुरा दिसानायके : भारत के लिये मायने

**ऐसे वक्त में जब दुनिया भर में दक्षिणपंथी शासकों का वर्चस्व बढ़ चला है, भारत के पड़ोसी मुल्क श्रीलंका में मार्क्सवादी विचारधारा के अनुरा कुमार दिसानायके का रविवार को राष्ट्रपति निर्वाचित होना वामपंथ के लिये एक नयी बयार की तरह देखा जा रहा है। पूंजीवादी शासन प्रणाली का लम्बा दौर देख चुके इस छोटे से देश ने 55 वर्षीय दिसानायके पर सिर्फ इसलिये भरोसा नहीं जताया है क्योंकि वे एक मजदूर के बेटे हैं, बल्कि उन्हें भ्रष्टाचार से लड़ने तथा आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाले राष्ट्राध्यक्ष के रूप में भी देखा गया है। देश के इतिहास में पहली बार दो दौर की मतगणना के बाद इस पद के लिये हुए चुनाव पर दिसानायके को जीत इसलिये हासिल हुई क्योंकि शीर्ष पर रहे दो उम्मीदवार आवश्यक 50 प्रतिशत वोट प्राप्त नहीं कर सके। उत्तर-मध्य श्रीलंका के एक गांव थम्बुटेगामा के अनुरा दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं जिसने नेशनल पीपल्स पावर के साथ गठबन्धन किया हुआ था। 2019 के चुनाव में महज 3 प्रतिशत वोट पाने वाले दिसानायके ने अबकी 42.31 फीसदी मत प्राप्त कर अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी सजीथ प्रेमदासा (32.76 प्रश) को काफी पीछे छोड़ दिया। सोमवार को उन्होंने शपथ ग्रहण कर ली।इन दिनों अमेरिका की यात्रा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसानायके को बधाई देते हुए कहा है कि: 'भारत की नेबरहुड फर्स्ट की वैदेशिक नीति और दृष्टिकोण से श्रीलंका का खास स्थान है।' प्रतिसाद में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भी परस्पर सहयोग के लिये अपनी प्रतिबद्धता जतलाई है। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने दिसानायके से मुलाकात कर भारत की ओर से उन्हें बधाई दे दी है। कहने को मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक दूसरे के प्रति सम्मान दशार्ने वाले बयान दिये हैं। ऐसे मौकों पर औपचारिकतावश ऐसे सद्भावनापूर्ण संदेशों का आदान-प्रदान होता ही है, लेकिन देखना यह होगा कि नये राष्ट्रपति का भारत के प्रति और भारत का उनके प्रति नजरिया और व्यवहार क्या रहेगा। पड़ोसी मुल्कों के साथ भारत के वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो 2014 के पहले हुआ करते थे, यानी कि मोदी के पीएम बनने के पहले थे। ज्यादातर पड़ोसियों के साथ किसी न किसी मुद्दे को लेकर भारत के सम्बन्ध सहज न रह पाने का एक बड़ा कारण इन सभी देशों पर चीन का बढ़ता प्रभाव रहा है।श्रीलंका पर भी चीन की निगाहें रही हैं। गोटाबाया प्रेमदासा के वक्त चीन ने श्रीलंका के एक द्वीप हंबनटोटा को अपना सैनिक अड्डा बनाने की कोशिश की थी ताकि वह भारत और सम्पूर्ण हिन्द सागर के क्षेत्र पर दक्षिणी हिस्से से निगाह रख सके। अन्य दूसरे कारणों से (भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, खस्ताहाल अर्थव्यवस्था आदि) प्रेमदासा के खिलाफ जनाक्रोश फैला व उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। तत्पश्चात चीन की इस इलाके में एंट्री रुक गयी थी। अब आगे देखना होगा कि इसे लेकर श्रीलंका की नयी सरकार क्या रुख अपनाती है। वैचारिक रूप से दिसानायके के चीन के करीब होने से इसकी आशंका तो बनी है कि वे भारत के मुकाबले चीन को ज्यादा तरजीह दें। ऐसे में भारत के लिये मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान दौर में मध्यमार्गी होना वाम पार्टियों की भी मजबूरी है और श्रीलंका में कोई भी सरकार आये, उसे भारत को नजरंदाज करना मुश्किल होगा। वैसे प्रेमदासा सरकार की नीतियों तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जो नेता सर्वाधिक मुखर थे, उनमें दिसानायके अग्रणी थे। उधर चीन ने इस नतीजे पर खुशी जताई है। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि 'दिसानायके के आने से श्रीलंका की भारत पर निर्भरता कम होगी।'वैसे पिछले दिनों जब दिसानायके भारत के दौरे पर आये थे तब उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात की थी। उन्होंने भारत के साथ श्रीलंका के अच्छे सम्बन्धों का हवाला न देकर इसकी जरूरत बतलाई थी। वैचारिक रूप से दिसानायके को भारत-विरोधी समझा जाता है। यही भारत के लिये चुनौती है।**

# सरदार सरोवर की जन्मगाथा

**नर्मदा 1312 किलोमीटर लंबी बहती नदी और किनारे बसे पहाड़, जंगल ही नहीं, गांव- नगर, लाखों परिवार, उनकी पीढ़ियों की जीवनगाथा और चलती आजीविका...खेती , मजदूरी, वनोपज, मत्स्य व्यवसाय, या कोई कारीगरी की जटिलता और घाटी के संसाधनों पर निर्भरता, विशेष हकीकत रही। इस पर बड़े बांध से आने वाली डूब के और अन्य असरों के अध्ययनों के बिना ही फैसला आया, यह हकीकत स्पष्ट होती है।**

शुरूआत तो हुई 1959 में जब महाराष्ट्र और गुजरात एक होकर बॉम्बे सरकार थी। नर्मदा पर 'नवागाम बांध', पहले दौर में 162 फीट ही ऊंचा बनाने का प्रस्ताव हुआ और उसे बढ़ाकर दूसरे दौर में 300 फीट तक ले जाने का! जल संसाधन और विद्युत मंत्रालय ने 320 फिट तक बढ़ाकर सौराष्ट्र और कच्छ तक सिंचाई पहुंचाने का प्रस्ताव, सलाहकार समिति की सिफारिश पर मंजूर किया। पहले दौर के निर्माण प्रस्ताव के बाद दूसरे दौर में 625 मेगावाट बिजली निर्माण भी संभव माना था।1 मई 1960 को महाराष्ट्र- गुजरात स्वतंत्र राज्य बनने के बाद 1963 में केंद्रीय मंत्री डॉ. के. एल. राव ने 425 फिट का नवागाम बांध और पूरा लाभ गुजरात को तथा 850 पूर्ण जलाशय स्तर का पुनासा बांध (आज का इंदिरा सागर!) और उससे लाभों का बंटवारा मध्यप्रदेश और गुजरात में 2:1 मंजूर करवाया; 'भोपाल अनुबंध' के रूप में। मध्यप्रदेश शासन ने बाद में इसे नामंजूर करके विवाद उठाया और खारिज करवाया। इसके बाद शुरू हुआ आंतरराज्य विवाद, जिसके निराकरण के लिए इंदिरा गांधी ने गठित किया ट्रिब्यूनल, जो 1969 से 1979 तक चला। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र, दोनों राज्यों ने 10 साल तक गुजरात में नर्मदा पर बड़ा बांध बनाने का विरोध दर्ज किया! मध्यप्रदेश में चला सर्वदलीय निमाड़ बचाओ आंदोलन!

दिसंबर 1979 में आंतरराज्य नर्मदा ट्रिब्यूनल याने जल विवाद न्यायाधिकरण का फैसला आया, जो परियोजना के विविध पहलू और असरों के अध्ययन पूरे करे बिना, विवाद के निराकरण का निर्णय था। 10 सालों के कार्यकाल में न्यायाधिकरण के सदस्यों ने नर्मदा घाटी की मुलाकात ली, वह मात्र शूलपाणीश्वर, हापेश्वर और कोटेश्वर मंदिरों तक सीमित थी, न ही किसी विस्थापित होने वाले गांव या परिवार की। महाकाय योजना को दी मंजूरी और साहूकारी भी बिना अध्ययन!

नर्मदा 1312 किलोमीटर लंबी बहती नदी और किनारे बसे पहाड़, जंगल ही नहीं, गांव-नगर, लाखों परिवार, उनकी पीढ़ियों की जीवनगाथा और चलती आजीविका...खेती, मजदूरी, वनोपज, मत्स्य व्यवसाय, या कोई कारीगरी की जटिलता और घाटी के संसाधनों पर निर्भरता, विशेष हकीकत रही। इस पर बड़े बांध से आने वाली डूब के और अन्य असरों के अध्ययनों के बिना ही फैसला आया, यह हकीकत स्पष्ट होती है।

राष्ट्रीय स्तर पर 1993 में ही, विस्थापितों के अधिकार डुबाते हुए धकेले जाते बांध के विरोध में 1985 से शुरू हुए सतत सत्याग्रह, उपवास आदि के बाद नर्मदा आंदोलन से एक विशेष चुनौती दी गई, जलसमाधि घोषित होकर! उसके पहले 1988 का धरना और रैलियां, 1989 में 80 किलोमीटर चले आदिवासी और वाहनों से पहुंचे मध्यप्रदेश के निमाड़वासियों की हजारों की संख्या में बांधस्थल पर गिरफ्तारी हुई थी। 1990 में बाबा आमटे जी के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास पर सत्याग्रह और बहुगुणाजी, सुगथा कुमारी जैसे की उपस्थिति में चर्चा; मुंबई के 8 दिन के उपवास के बाद शरद पवार जी का बांध स्थल पर पहुंचकर गुजरात और महाराष्ट्र के अधिकारियों सहित बैठक और पुनर्वास के बिना बांध आगे न बढ़ने देने की घोषणा... सब हो चुका था। 1990 में ही 5000 विस्थापितों का पैदल जनविकास मार्च और उस पर हुए दमन के साथ 21 दिनों का उपवास देश और दुनिया से सहयोग पा चुका था! फिर भी डूब का खतरा, पहाड़ी आदिवासियों पर छाते हुए जब जल समाधि का निर्णय लिया गया, तभी योजना आयोग के उपाध्यक्ष जयंतराव पाटिल जी की अध्यक्षता में बना 'पांच सदस्यीय समूह' जो जल संसाधन मंत्रालय के प्रमुख सचिव रहे रामस्वामी अय्यर, अर्थशास्त्री एल. सी. जैन, वसंत गोवारीकर, कुलदैप स्वामी जैसे आंदोलन और शासन से प्रस्तावित मान्यवरों का था। दोनों पक्षों की सुनवाई और प्रस्तुतियों के बाद उनका भी निष्कर्ष रहा, सरदार सरोवर के नियोजन में अधूरापन और लाभों के गलत दावों का 100 साल में 75 नहीं, मात्र 61 साल ही भर सकता है जलाशय पूर्ण और शायद मिल सकते हैं, अपेक्षित लाभ; यह कहते हुए पर्यावरणीय और सामाजिक हानिपूर्ति याने पुनर्वास के भी अधूरे नियोजन पर कड़े सवाल उठाने वाली उनकी रिपोर्ट शासकों को स्पष्ट चेतावनी देती रही!

गुजरात के आग्रह पर, बांध को आगे बढ़ाने का निर्णय जब भारतीय शासकों ने लिया, तब विस्थापितों का आंदोलन सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया और 1994 से 2000 तक चली सुनवाई, भूतपूर्व विधिमंत्री शांतिभूषण और अधिवक्ता प्रशांत भूषण के द्वारा, केंद्र शासन के तमाम वरिष्ठ अधिवक्ताओं के आमने सामने! याचिका प्रस्तुत होने के बाद भी बांध की उंचाई 69 मीटर से 80 मीटर तक बढ़ाने का निर्णय शासन ने, 'अनैतिक' मानी गई प्रक्रिया से जाहिर करने पर, डूबग्रस्त होने के खतरे को चुनौती दी, आंदोलनकारियों के 26 दिनों के उपवास से। इसी दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में 16 दिसंबर 1994 के रोज मध्यप्रदेश विधानसभा में सर्वदलीय प्रस्ताव पारित हुआ, सरदार सरोवर की ऊंचाई बढ़ने न देने का! जब सर्वोच्च अदालत में सर्व समावेशक याचिका में सुनवाई हुई तब मई 1995 से 1999 तक रोका गया सरदार सरोवर का कार्य, 80 मीटर पर।

नर्मदा जैसी सालभर अविरल बहने वाली नदी और उसकी 41 उपनदियों की घाटी में बर्गी, तवा, सुक्ता जैसे 30 बड़े और 135 मझौले बांधो के तथा 3000 छोटे बांधों के निर्माण का 'नर्मदा घाटी विकास' का प्लान ब्राजील की अमेजॉन या फ्रांस की लाइर नदी घाटी के जैसी विशाल योजना तो थी ही! लेकिन 3000 छोटे बांधों को भूल सी गई थी शासन! जो बांध बने थे, उनके विस्थापितों से तथा लाभक्षेत्र के जलजमाव, नहर व्यवस्थापन जैसे सवालों के ऊपर उठी थी क्षेत्रीय आवाज.. फिर भी इंदिरा सागर, सरदार सरोवर इन दो महाकाय बांधों को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में 1979 से 1985 तक विस्थापितों की पूर्ण संख्या का ही नहीं, सामाजिक- आर्थिक- सांस्कृतिक धरोहर और अधिकारों का भी शोध नहीं हुआ महाराष्ट्र ने 1990, 1992 से लेकर 2004 तक कई आदेश निकाले! वनगावों में वनजमीन कसते आए आदिवासियों को हक मिला पुनर्वास का। 'टापू' में आते आदिवासी फलियों में रहते आदिवासियों का भी पुनर्वास हुआ। लेकिन आज तक जारी है, संघर्ष और संवाद भी! करीबन 200 परिवारों को आधा-अधूरा हक मिला है।

जिन्हें नहीं मिली पूरी या सही भूमि, वे मूलगांव में नदी किनारे है, साल-साल डूब भुगतते हुए, डटे रहते! कुछ आदिवासी बुजुर्ग गुजर गये, हक मिलने के पहले... कुछ फंसे हुए हैं, गुजरात में आबंटित काश्त के लिए अनुपयोगी या अ-सिंचित जमीन पाकर! महाराष्ट्र का पहला मतदार जिस गांव में है, उस 'मणिबेली' के नाम से दुनिया के 2000 संगठनों ने पारित किया था प्रस्ताव, माद्रिद, स्पेन में विश्व बैंक की 50 साल पूर्ति पर उन्हें चुनौती देते हुए। आज भी मणिबेली में जो बचे हैं परिवार, वे भी 1993-94 में डूब भुगते थे और आज भी है, पहाड़ की चोटियों पर रहकर, पानी, बिजली, रास्तों की समस्या भुगतते !मध्यप्रदेश में जो अन्याय भुगत रहे हैं, ऐसे कई आदिवासी, दलित, सभी समुदायों के प्रभावित, 1994 से पहाड़ी क्षेत्र में, तो मैदानी इलाके में 2000 से डूबग्रस्त होकर भी पुनर्वसित नहीं हैं। डूब की भूमि के बदले भूमि न दे पाने पर 60 लाख रुपए (5 एकड़ के बदले) देने के सुप्रीम कोर्ट के 2017 के आदेश के पालन के लिए सैकड़ों रुके हैं, विधवा, एकल महिलायें भी!

गुजरात में विवाद निराकरण ही उद्देश्य होते हुए, ट्रिब्यूनल का फैसला, उसमे निर्देशित पुनर्वास के प्रावधान भी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के लिए रहे हैं, गुजरात के लिए नहीं! आखिर विश्व बैंक के दबाव से गुजरात को पारित करने पड़े कई आदेश, जिससे गुजरात में पुनर्वसित, गुजरात के या महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के (जिन्हें स्वेच्छा निर्णय का अधिकार है) विस्थापितों को भी ट्रिब्यूनल आदेश जैसे और अन्य अधिकार भी मंजूर हुए। उन्हें प्राप्त करने में भी आई समस्याएं-आबंटित भूमि, भूखंड या सुविधाओं संबंधी- जो आज तक भुगत रहे हैं, सैकड़ों आदिवासी! तीनों राज्यों में भूतपूर्व न्यायाधीशों को सदस्य बनाकर सर्वोच्च अदालत में आंदोलन की याचिका पर सुनवाई के दौरान जो गठित हुआ, वह शिकायत निवारण प्राधिकरण आज कैसा कमजोर साबित हो चुका है।आज भी कभी नर्मदा घाटी के 7 बांध रद्द करना, फिर वर्षों बाद मंजूर घोषित करना हो रहा है। घाटी के ऊपरी बांधों को पर्यावरणीय शोध और मंजूरी के बिना आगे धकेलना जारी है। अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में 'पेसा' कानून का उल्लंघन करके जारी है!यह सब कुछ कानून, नीति के साथ जुड़ा अधिकार कुचलकर जब आगे बढ़ता है, तब देशभर के उजाड़े गये करोड़ों लोगों की (जिनमें 1985 के गृह मंत्रालय के अहवाल अनुसार 80 प्रतिशत से अधिक आदिवासी ही थे) जिंदगी बर्बाद होते देखने- जानने वाले तो चुप नहीं बैठ सकते! सरदार सरोवर के किसी भी प्रभावित को तात्कालिक या कायमी डूब से विस्थापित नहीं होने देना, और डूब के कम से कम 6 महीना पहले पुनर्वास पूरा करना, ऐसे कानूनी आदेश को हर न्यायिक आदेश में दोहराने पर भी सर्वोच्च न्यायालय की खुली अवमानना करने वालों पर कौन उठायेगा न्याय का डंडा ताकि बचेगा विकास के दायरे में भी संविधान का फंडा? करोड़ों की पूंजी और अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा लगाकर, आशा रखते हैं राजनेताओं से मतदाता और कई कार्यकर्ता भी, 'जनप्रतिनिधित्व' में! प्रत्यक्ष में कौन से सवाल छुड़वा सकते हैं, विधानसभा और लोकसभा में भी? विस्थापितों का त्याग चाहने वाले उन्हें नहीं मानते 'पूंजी' निवेशक!

अपना जल, जंगल, जमीन देने वाले, किसी खदानों के लिए अपनी धरा के नीचे सम्हाली खनिज संपदा को दान करने वाले, प्राकृतिक पूंजी का और परियोजना पर दिन-रात पसीना बहाने वाले श्रमपूंजी का निवेश ही करते हैं। मात्र वित्तीय पूंजी या हवाई माध्यमों से तकनीकी ज्ञान की पूंजी लगाने वालों को ही मानते हैं विकास नियोजक, विकाससाधक! कोई प्रश्न उठाते ही 'विकास- विरोधी' से लेकर 'अर्बन नक्सल' तक जाहिर करना, अब विकास को मंत्र बनाकर चल रही राजनीति के तहत चुनावी खेल होता है। उसे जीत-हार तक पहुंचाना हो, तो जरूरी है खुली सार्वजनिक बहस!

# सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं।

वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं।

# तिरुपति बालाजी- सनातन धर्मियों की मांग भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों को मिले सख्त सजा

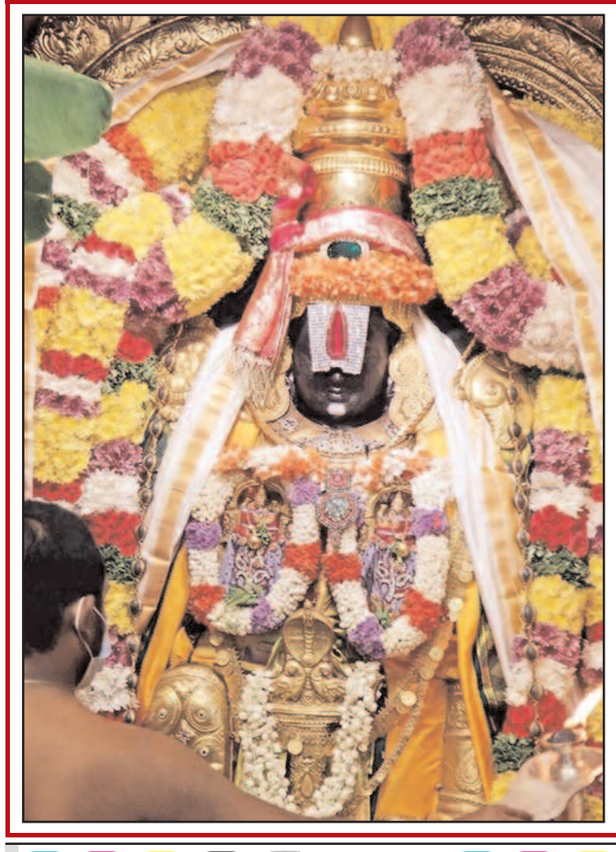

आंध्रप्रदेश के तिरुमाला पर्वत पर स्थित पहाड़ियां शेषनाग के 7 फनों के आधार पर बनीं हुई है, उनको 'सप्तगिरि' कहा जाता है। इन पहाड़ियों की 7वीं पहाड़ी पर ही भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर या बालाजी का दिव्य मंदिर स्थित है, जो कि 'वेंकटाद्री' के नाम से भी प्रसिद्ध है। वैसे तो इस अद्भुत भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर या बालाजी के मंदिर की महत्ता को देश व दुनिया में अधिकांश लोग जानते है। इसी दिव्य महिमा के चलते ही देश व दुनिया से हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु इस दिव्य मंदिर के दर्शन पाने के लिए आते हैं। इस भव्य दिव्य मंदिर में स्थापित भगवान वेंकटेश्वर या बालाजी को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। सनातन धर्म संस्कृति व परंपराओं में ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु ने कुछ समय के लिए इस क्षेत्र के ही 'स्वामी पुष्करणी' नामक सरोवर के किनारे निवास किया था, यह सरोवर तिरुमाला के पास ही स्थित है। इस दिव्य अद्भुत मंदिर के संदर्भ में मान्यता है कि यहां आने के पश्चात व्यक्ति के जीवन भर के सभी पाप धुल जाते हैं और उसको जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्ति मिल जाती है और वह भगवान के तिरुपति बालाजी के श्री चरणों में स्थान प्राप्त करके मोक्ष प्राप्त करता है। भारत की आजादी से पहले वर्ष 1933 में तिरुपति बालाजी के इस मंदिर का पूरा प्रबंधन मद्रास सरकार ने अपने हाथ में ले लिया था और रोजमर्रा के कार्य संपन्न करने के लिए एक स्वतंत्र प्रबंधन समिति 'तिरुमाला-तिरुपति' का गठन करके उसके हाथ में इस मंदिर का प्रबंधन सौंप दिया गया था।

लेकिन जब आंध्रप्रदेश राज्य का गठन हुआ तो इस प्रबंध समिति का पुनर्गठन किया गया और इस मंदिर की प्रबंध समिति में आंध्र प्रदेश सरकार के एक प्रशासनिक अधिकारी को प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त कर दिया गया, जब से ही इस प्रबंध समिति 'तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी)' के द्वारा मंदिर से जुड़े हुए हर प्रकार के कार्यों को निर्बाध रूप से संपन्न किया जा रहा है। यहां आपको बता दें कि इस दिव्य अलौकिक मंदिर में रोजाना भक्तों की भारी भीड़ अपने आराध्य के दर्शन के लिए उमड़ती है, इस मंदिर में लगभग 50 हजार से भी अधिक श्रद्धालु देश व दुनिया से दर्शन करने के लिए आते हैं। इन सभी श्रद्धालुओं की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी टीटीडी की होती है। मंदिर के श्रीवारी लड्डू का प्रसाद इतना प्रसिद्ध है कि वह देश व दुनिया में बसे हुए करोड़ों भक्तों के पास रोजाना लाखों लड्डू की संख्या में जाता है और यह प्रसाद मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा स्वयं की रसोई में खुद ही बनाया जाता है। मंदिर में रोजाना भक्तों की भारी भीड़ होने के चलते मंदिर प्रबंध समिति के पास रोजाना ही भारी मात्रा में धन दौलत व खाने पीने और इस्तेमाल करने का सामान आता है, उस सबके बावजूद भी मंदिर प्रबंध समिति सनातन धर्म के करोड़ों अनुयायियों की आस्था की रक्षा करने में नाकाम रही है।एक रिपोर्ट के अनुसार मंदिर का लड्डुओं का यह प्रसिद्ध प्रसाद घी की जगह जानवरों की चर्बी व मछली के तेल में बन रहा है, इस लड्डू के प्रसाद ने दिव्य मंदिर की प्रवित्रता को चोट पहुंचाते हुए ना जाने सनातन धर्म के कितने शाकाहारी अनुयायियों का धर्मभ्रष्ट करने का दुस्साहस किया है। लेकिन अफसोस हर माह प्रभु भक्तों से करोड़ों रुपए कमाने वाली मंदिर प्रबंध समिति उस अपार धन खाने पीने की वस्तुओं का टेस्ट करने वाली एक स्थाई लैब तक निर्माण भी आजतक नहीं कर पाई। प्रसाद में जानवर की चर्बी व तेल की मिलावट का यह खेल हिन्दू धर्म के भक्तों की भावनाओं से खिलवाड़ का एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

लेकिन आज विचारणीय तथ्य यह है कि 'सनातन धर्म' के अनुयायियों के अपने ही प्यारे देश में ही उनकी आस्था पर बार-बार प्रहार किया जा रहा है। कभी उनकी तुलना मच्छर से की जाती है। कभी उनके धार्मिक परंपराओं, रीति-रिवाजों व संस्कृति पर प्रश्नचिन्ह लगाया जाता है। कभी पूरी धर्म को पाखंड बताने का दुस्साहस किया जाता है। कभी कहा जाता है कि ऐसा कोई धर्म ही नहीं है। कभी सनातन धर्म में पूजनीय गाय माता को कसाईखाना में काटा जाता है। कभी राजनेताओं के द्वारा अपने क्षणिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए सनातन धर्म के अनुयायियों में जाति के नाम पर फूट डालकर के उन लोगों को जातियों में बांटने की साज़िश रची जाती है। कभी तिरुपति बालाजी जैसे विश्व प्रसिद्ध मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी व मछली के तेल की मिलावट करके उनको धर्मभ्रष्ट करने की गंभीर साज़िश का खुलासा होता है। कभी उनके मठ मंदिरों को मिलने वाले दान का उपयोग दूसरे धर्म के लोगों के विकास पर किया जाता है। कभी सनातनियों पर अपने ही देश में तरह-तरह का अंकुश लगाया जाता है। कभी उनको सप्लाई किये जाने वाला दुध, सब्जी जूस आदि तक को भी दूषित करके धर्मभ्रष्ट करने की साज़िश रची जाती है। लेकिन अब विचारणीय तथ्य यह है कि आखिर कब तक यूं ही अपने ही प्यारे देश में हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों के साथ छल होता रहेगा और फिर भी हमारे देश के ताकतवर हिन्दू धर्म के ठेकेदार व नीति-निमार्ता राजनेता हमारे सनातन धर्म को संवैधानिक संरक्षण देने से बचते रहेंगे। लेकिन देश में जिस तरह से बार-बार सनातन धर्म के विरुद्ध एक नकारात्मक माहौल बनाया जाता है, उसके चलते अब वह समय आ गया है जब सनातनियों को संवैधानिक संरक्षण देने के लिए केंद्रीय व राज्य के स्तर पर 'सनातन धर्म कार्य मंत्रालय' जो कि सनातन धर्म के हित से जुड़े हुए सभी मामलों को देखें और उनके हितों की रक्षा करें जरूरी है।

वहीं केंद्र सरकार के इस मंत्रालय के अधीन 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का गठन हो, जो सनातन धर्म से जुड़ी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं आदि की रक्षा करते हुए धर्म की रक्षा करने का कार्य करें। वहीं देश व दुनिया में सनातन धर्म के सभी छोटे-बड़े, प्राचीन व नये धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए 'देवस्थान रक्षा बोर्ड' का गठन होना जरूरी हो गया है, जिससे इन सभी स्थानों का सही ढंग से रखरखाव हो और भक्तों को सही ढंग से सुविधाएं प्राप्त हो पाएं और फिर कभी किसी साज़िश या लापरवाही से से किसी सनातनी का धर्मभ्रष्ट ना हो। अब वह समय आ गया है जब देश में उपरोक्त सभी संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देते हुए उनको जल्द अस्तित्व में लाया जाए और उनके द्वारा सनातन धर्म को संवैधानिक रूप से संरक्षण देकर के देश व विदेश के स्तर पर बार-बार रची जा रही साज़िशों से भविष्य में बचाया जाए। वैसे भी विश्व के सबसे प्राचीन धर्म सनातन धर्म के अनुयायियों का धर्मभ्रष्ट करने की साज़िश हजारों वर्षों से होती आ रही हैं। लेकिन फिर भी सनातन धर्म अपने धार्मिक मूल्यों और अपनी दैवीय शक्ति के दम पर पूरी दुनिया में अपना एक अहम विशिष्ट स्थान आज भी बनाएं हुए है। सनातन धर्म के लगातार देशी विदेशी षड्यंत्रकारियों के निशाने पर रहने के बावजूद भी उसकी धर्म ध्वजा आदिकाल से गर्व से लहराती आ रही हैं। जिसकी वजह से ही कुछ विधर्मी लोग सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए तरह-तरह की साज़िश रचते रहते हैं, अभी हाल ही में विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में मिलने वाले प्रसादम के लड्डू में जानवर की चर्बी व मछली का तेल युक्त घी मिलने की घटना भी लोगों को उस तरह की किसी साज़िश का हिस्सा ही लगती है। इस धर्मभ्रष्ट करने की घटना पर अब पूरे देश में हंगामा बरपा हुआ है। इस मिलावटखोरी की घटना को लेकर देश व दुनिया में बसे हुए सनातन धर्म के अनुयायियों में बेहद गुस्सा व्याप्त है, वह यह जानना चाहते हैं कि देवालय के प्रसाद को निशाना बनाकर के धर्मभ्रष्ट करने का दुस्साहस करने की यह गंभीर साज़िश किसकी है। जब से सनातनियों की आस्था के केंद्र तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलावट की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, तब से ही करोड़ों सनातन धर्म के प्रेमियों की आंखें उस षड्यंत्रकारी को ढूंढ रही हैं।

डीएम ने मतदाता जागरूकता हेतु राज्य स्तरीय ऑनलाइन पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता की विजेताओं को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

जिलाधिकारी ने तंबाकू मुक्ति युवा अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

# 24 नवम्बर तक चलेगा तंबाकू मुक्ति युवा अभियानः डीएम

**रायबरेली, संवाददाता।**

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राजकीय इंटर कॉलेज रायबरेली के प्रांगण से तम्बाकू मुक्त युवा अभियान रैली का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने बताया कि आज से प्रारम्भ हो रहे 60 दिवसीय (24 सितंबर से 24 नवंबर 2024 तक) तम्बाकू मुक्त युवा अभियान चलेगा। उन्होंने अभियान के दौरान जनपद में 800 शिक्षण संस्थानों को ह्लतम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थानह्व आपरेशनल गाइडलाइन के अनुसार तम्बाकू मुक्त बनाने, 100 गावों को ह्लतम्बाकू मुक्तह्व एवं 80 एनफोर्समेन्ट गतिविधियों एवं 150 आई0ई0सी0 कैम्पेन/गतिविधियों को सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए संपादित कराने के निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग द्वारा समस्त गतिविधियाँ समय पर समन्वय कर सूचना विभाग के माध्यम से आम जनमानस को

जागरुक किया जाय एवं समस्त सहयोगी विभाग दिवस वार संपादित गतिविधियों को जनपद तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, उपरोक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में सभी सहयोगी विभागों की समन्वय बैठक का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा एक सप्ताह बाद समीक्षा बैठक आयोजित होगी। बैठक के पूर्व सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बैठक में डा0 सौरभ पाल एम्स, रायबरेली, बृजलाल वर्मा, प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी, रतनेश श्रीवास्तव प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक, रमेश चन्द्र यादव उप निरीक्षक पुलिस विभाग, डा सुनील अग्रवाल चिकित्सा अधिकारी जिला कारागार, डा0 अरूण वर्मा नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 आदि उपस्थित रहे। पूनम यादव जिला सलाहकार तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ट ने समस्त गतिविधियों का संचालन किया।

# लिंग परीक्षण कानूनन अपराधः एडीजे

**प्रतापगढ़, संवाददाता।**

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के निर्देशन में महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पीसीपीएनडीटी कानून विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन तहसील पट्टी क्षेत्र के बाबा बेलखरनाथ धाम विकासखंड के ग्राम पंचायत उड़ैयाडीह में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने कहा कि महिलाओं के अधिकारो के संरक्षण के लिए कानूनों का प्रावधान किया गया है, जिसे जागरूक होकर प्राप्त कर सकती हैं, उन्होंने कहा कि कानून के अंतर्गत ऐसी व्यवस्था है कि लिंग के आधार पर किसी भी महिला के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा, लिंग परीक्षण के संदर्भ में उन्होंने बताया कि यदि इस कार्य में लिप्त कोई पाए गए तो प्रथम बार पकड़े जाने पर 3 वर्ष की सजा एवं आर्थिक दंड एवं द्वितीय बार पर 5 वर्ष की सजा एवं आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला को उसी घर में निवास का अधिकार है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए लैंगिक उत्पीड़न से बचाने के लिए कानूनों का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि संपत्ति में महिलाओं को बराबरी का अधिकार प्राप्त है।

## खास खबर

### मेक ओवर सेमिनार में वाटर प्रूफ मेकअप की दी गई जानकारी

**फतेहपुर।** मेक ओवर बाई.आर.एम. संचालिका रेशम मेहरोत्रा द्वारा आज यहां एक दिवसीय इंटर नेशनल सेमिनार एक प्रतिष्ठित होटल में किया गया जिसमे वाटर प्रूफ मेकअप के बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी देकर मेकअप की खूबियां बताई। इस सेमिनार में प्रयागराज, कानपुर, रायबरेली, कौशाम्बी, बांदा सहित फतेहपुर जनपद की 120 पार्लर संचालिकाओं ने हिस्सा लेकर मेकअप की नई नई तकनीकियों को सीखा। रेशम मेहरोत्रा ने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाना व हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ना उनका कर्तव्य है.

### घर के अंदर युवती ने फांसी लगाकर दी जान

**फतेहपुर।** थरियांव थाना हसवा चौकी क्षेत्र के चक बरारी बिलंदा निवासी स्वर्गीय कपिल लोधी की 18 वर्षीय पुत्री पूनम उर्फ गोलू देवी ने मंगलवार की सुबह छः बजे झाड़ू लगाते हुए किसी से फोन पर बातचीत रही थी। तभी भाई घर में आ गया। उसी समय बहन फोन पर किसी से बात कर रहीं थी। भाई ने पुछा कि किस से बात हो रही थी। इस बात नाराज होकर घर के कमरे में लगे पंखे के हुक में दुपट्टा बांधकर गले में फांसी लगाकर कर लटक गई। जब तक परिजन फांसी से उतारते तब तक पूनम की मौत हो गई थी। मृतका के माता-पिता का देहांत बचपन में ही हो गया था। उस समय मृतका की उम्र सात वर्ष थी और भाई गोविंद की उम्र पांच वर्ष थी। दोनों का पालन-पोषण व शिक्षा - दीक्षा दादी रानी देवी ने किया था। मौत की खबर से भाई गोविंद व दादी रानी देवी का हाल बेहाल रहा। थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार राय ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

### व्यवस्था परिवर्तन अधिवक्ता संगठन फतेहपुर की हुई अहम बैठक

**फतेहपुर।** व्यवस्था परिवर्तन अधिवक्ता संगठन की आवश्यक बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया की सुरेश सिंह यादव को अध्यक्ष पद का प्रत्याशी घोषित किया गया तथा जिलाअधिवक्ता संघ फतेहपुर आगामी होने वाले चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सभी अधिवक्ताओं को सदस्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक की अध्यक्षता व्यवस्था परिवर्तन अधिवक्ता संगठन फतेहपुर के अध्यक्ष श्रीराम पटेल द्वारा की गई।

# उन्नाव रेप पीड़िता को अब कोई खतरा नहीं? केंद्र ने सुरक्षा वापसी के लिए कोर्ट से मांगी इजाजत, भाजपा नेता सेंगर है आरोपी

**सत्ता सकेंत संवाददाता।**

**उन्नाव।** दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार को मिली सीआरपीएफ की सुरक्षा वापस लेने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से इजाजत मांगी है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों से मंगलवार को जवाब मांगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर 2017 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव इलाके में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और उससे दुष्कर्म करने के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा है

इस सनसनीखेज दुष्कर्म मामले और पीड़िता तथा अन्य की जान को खतरा होने पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2019 को निर्देश दिया था कि दुष्कर्म पीड़िता, उसकी मां, परिवार के अन्य सदस्यों और उनके वकील को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा सुरक्षा उपलब्ध करायी जाए.

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केंद्र की याचिका की प्रति पीड़िता तथा उसके परिवार के सदस्यों को देने के लिए कहा। पीठ ने यह भी कहा कि चूंकि शायद ही किसी खतरे की आशंका है तो वह इस मामले को बंद करना चाहेगी केंद्र के वकील ने कहा कि पीड़िता तथा उसके परिवार के सदस्यों पर खतरे के आकलन के अनुसार सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील रुचिरा गोयल ने कहा कि उच्चतम नयायालय के आदेश के बाद मुकदमे समेत सब कुछ दिल्ली की अदालत को सौंपा जा चुका है पीठ ने गोयल से पूछा कि पीड़िता अभी कहां रहती है। इस पर उन्होंने बताया कि लड़की और उसका परिवार दिल्ली में रहता है। उच्चतम न्यायालय ने 14 मई को केंद्र से कहा था कि वह उन्नाव बलात्कार पीड़िता, उसके परिवार के सदस्यों और उसके वकीलों को 2019 के उसके आदेश के तहत प्रदान की गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने के लिए अलग से एक याचिका दायर करे केंद्र सरकार ने कहा था कि पीड़िता और अन्य को दिल्ली या उत्तर प्रदेश पुलिस सुरक्षा प्रदान कर सकती है और सीआरपीएफ को इस जिम्मेदारी से हटने की अनुमति दी जाए। शीर्ष अदालत ने उन्नाव बलात्कार घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को 2019 में उत्तर प्रदेश की लखनऊ

अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था और इसकी सुनवाई दैनिक आधार पर करने एवं इसे 45 दिन में पूरा करने के निर्देश दिए थे।शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी निर्देश दिया था कि वह अंतरिम मुआवजे के रूप में पीड़िता को 25 लाख रुपये दे। अदालत ने कहा था कि सीबीआई को उस दुर्घटना की जांच सात दिन के भीतर पूरी करनी होगी जिसमें पीड़िता और उसका वकील गंभीर रूप से घायल हो गए थे तथा उसके दो रिश्तेदारों की मौत हो गयी थी।

पीड़िता के पिता को शस्त्र कानून के तहत एक मामले में सेंगर के कहने पर गिरफ्तार किया गया था और नौ अप्रैल 2018 को उसकी हिरासत में मौत हो गयी थी। सेंगर ने अधीनस्थ अदालत के दिसंबर 2019 के उस फैसले को रद्द किए जाने का अनुरोध किया है, जिसके तहत उसे शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई गई है। उसकी अपील दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है

## पेज 1 का शेष

### बाराबंकी का लखनऊ जैसा.....

प्रतिमा के लोकार्पण का कार्य सम्पन्न हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पण्डित जी ने सात दशक पहले जो सपने देखे थे, उन्हें साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। देश में कोरोना महामारी की शुरूआत से लेकर अब तक 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। देश में 12 करोड़ घरों में शौचालयों का निर्माण हुआ है। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिये गये हैं। 04 करोड़ गरीबों को उनके पक्के आवास उपलब्ध कराए जा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में करोड़ों लोगों को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जा रहा है। यह कार्य पण्डित जी के सपनों को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने के अभियान का हिस्सा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में यह यात्रा बिना रुके, बिना झुके तथा बिना डिगे निरन्तर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद बाराबंकी स्टेट कैपिटल रीजन का एक महत्वपूर्ण जनपद है। अब विकास केवल प्रदेश की राजधानी तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बाराबंकी भी इस विकास में बराबर का भागीदार बनने जा रहा है। यहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहतर सुविधा प्रदान करने आदि कार्यों का लाभ यहां के निवासियों को प्राप्त होने जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद बाराबंकी इस मामले में सौभाग्यशाली है कि इसके एक ओर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तो दूसरी ओर श्री अयोध्या धाम स्थित है। विकास चाहे अयोध्या जी का हो या लखनऊ का, इनके लाभ से बाराबंकी को कोई वंचित नहीं कर सकता है। बाराबंकी की पहचान श्री लोधेश्वरनाथ मन्दिर महादेवा से है। प्रदेश का धर्मार्थ कार्य एवं पर्यटन तथा संस्कृति विभाग इसे नयी पहचान दिलाने के लिए कार्य करने जा रहा है। श्री काशी विश्वनाथ धाम तथा अयोध्या धाम की तर्ज पर महादेवा में भी बेहतरीन कॉरिडोर बनाने की दिशा में हम अग्रसर हुए हैं।

### सफलता युद्ध में नहीं, एकता....

करते हुए कहा कि वह मानव जाति के छठवें भाग की आवाज आप तक पहुँचाने यहाँ आया हैं। आज जब हम वैश्विक भविष्य की बात कर रहे हैं, तो उसमें मानव केन्द्रित रुख सर्वप्रथम होना चाहिए। सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए, हमें मानव कल्याण, भोजन, स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल कर हमने यह दिखाया है कि सतत विकास सफलता हासिल कर सकता है। सफलता का हमारा यह अनुभव, हम वैश्विक दक्षिण के साथ साझा करने के लिए तैयार हैं।श्री मोदी ने कहा कि मानवता की सफलता हमारी सामूहिक सफलता में निहित है न कि युद्ध के मैदान में। और वैश्विक शांति एवं विकास के लिए, वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक हैं। सुधार से ही प्रासंगिकता होती है। गत वर्ष जी-20 के नयी दिल्ली शिखर-सम्मेलन में अफ्रीकी संघ की स्थाई सदस्यता, इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।श्री मोदी ने कहा, ₹वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए, एक तरफ आतंकवाद जैसा बड़ा खतरा है, तो दूसरी तरफ साइबर, समुद्री क्षेत्र, अंतरिक्ष जैसे अनेक संघर्ष के नए नए मैदान भी बन रहे हैं। इन सभी विषयों पर, मैं जोर देकर कहूंगा कि वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदाराना इस्तेमाल के लिए संतुलित विनियमन की आवश्यकता है। हमें ऐसा वैश्विक डिजिटल शासन चाहिए, जिससे राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा एक सेतु की तरह काम करे, न कि बाधा डाले। वैश्विक कल्याण के लिए, भारत अपना डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे विश्व से साझा करने के लिए तैयार है।उन्होंने कहा कि भारत के लिए एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य One Earth एक प्रतिबद्धता है। यही प्रतिबद्धता हमारे एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य और एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड जैसी पहलों में भी दिखाई देता है।श्री मोदी ने कहा, पूरी मानवता के हितों की रक्षा और वैश्विक समृद्धि के लिए भारत मनसा-वाचा-कर्मणा से काम करता रहेगा।

### अभी बस ट्रेलर.....

लेबनान में अपने आक्रमण को 'ऑपरेशन नॉर्दर्न एरो' नाम दिया है। इस ऑपरेशन के तहत इजरायल ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों, 1,000 किलोग्राम हथियार वाले भारी रॉकेट और नागरिक घरों में रखे विस्फोटक ड्रोन को निशाना बनाया। तनाव बढ़ने के बीच आईडीएफ ने लेबनानी नागरिकों से हिजबुल्लाह के ठिकानों के पास वाली इमारतों को खाली करने की भी अपील की है। इसने दक्षिण लेबनान से हजारों लोगों को सामूहिक पलायन के लिए मजबूर कर दिया है। इजरायल की कैबिनट ने सोमवार को बैठक में शीर्ष हिजबुल्लाह कमांडर इब्राहिम अकील की हत्या सहित उसकी उपलब्धियों के लिए सेना की प्रशंसा की। इस दौरान एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अभी तक लेबनान पर हमले का सिर्फ प्रोमो आया है, पूरी फिल्म आगे आ सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास टारगेट करने के लिए हजारों और लक्ष्य हैं। अगर हिजबुल्लाह जारी रहेगा, तो हम भी ऐसे ही जवाब देंगे। इससे अंदेशा है कि इजरायल की ओर से लेबनान में और बड़े हमले हो सकते हैं।बैठक में कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया कि अगर हिजबुल्लाह संघर्ष विराम पर सहमत होता है तो पूर्ण पैमाने पर युद्ध को टाला जा सकता है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस सप्ताह के अंत में न्यूयॉर्क की संभावित यात्रा का संकेत दिया, जहां उनका संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। लड़ाई के बावजूद नेतन्याहू ने इजरायल के राजनयिक संदेश के महत्व का हवाला देते हुए इस कार्यक्रम में भाग लेने के अपने इरादे का संकेत दिया। कुछ मंत्रियों ने सुझाव दिया कि अगर नेतन्याहू सुरक्षा स्थिति के कारण अपनी यात्रा रद्द करते हैं तो विदेश मंत्री काट्ज उनकी जगह यात्रा कर सकते हैं।इजरायल सरकार ने नागरिकों पर हमलों के उच्च जोखिम को देखते देते हुए पूरे देश में विशेष आपातकाल की घोषणा की है। होम फ्रंट कमांड दिशानिर्देश पहले की तरह की जारी रहेंगे। हाइफा के उत्तर में स्कूलों की छुट्टी गुरुवार तक बढ़ा दी गई है। हिजबुल्लाह ने इजरायली हमले के जवाब में गैलील, गोलान हाइट्स, हाइफा, कार्मेलऔर वेस्ट बैंक में रॉकेट दागे हैं।

# सरकार की कल्याणकारी योजना को लेकर दो गांवों में अभियान चला लोगों को जागरुक करने की अपील की

**सत्ता सकेंत।**

**पुरवा उन्नाव।** विकास खंड के दो गांवों में असेहरु, मझिगवा के प्राथमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चलायी जा रही कल्याणकारी योजना हर घर जल हर घर नल के तहत हिन्दू मुस्लिम एकता एवं कल्याण समिति के तत्वावधान में पुरवा ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनीष कुमार गुप्ता ने पहुंचकर विद्यालय परिसर में बच्चों की प्रभात फेरी निकालवाई और हैंडवाश करा बताया कि पानी कैसे बचाना चाहिए और दूषित पानी पीने से कौन कौन सी बीमारियाँ पनपती है एवं जल के प्रति जागरुक किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चंद्रभान सिंह, अध्यापक मोहित शुक्ला, पं सहायक शिखा साहू, पवन कुमार आदि रहे।

### किसान यूनियन (टिकैत) की बैठक संपन्न, अधिकारियों ने सुनी किसानो की समस्याएं

**फतेहपुर।**

खागा तहसील क्षेत्र अंतर्गत विजयीपुर विकासखंड के पनिहा बाबा प्रांगण स्थल में भारतीय किसान यूनियन टिकैत संघ की बैठक संपन्न हुई। हजारों की संख्या में किसान बैठक में उपस्थित हो अधिकारियों से समस्याओं को अवगत कराया। प्रमुख समस्याओं को उप जिलाधिकारी खागा को ज्ञापन पत्र लिखकर अवगत कराते हुए किसानो की समस्याओं को तत्काल संज्ञान लेने की अपील की गई। बैठक में किसान हित में चर्चा करते हुए विद्युत कटौती विद्युत लाइन समस्या, अन्ना जानवरों का प्रबंध, भ्रष्टाचार शिकायती पत्र अवलोकन के संबंध में बैठक में मौजूद अधिकारियों को अवगत कराया गया। बैठक में विकासखंड अधिकारी विजयीपुर अशोक कुमार, विद्युत अवर अभियंता पूर्ति निरीक्षक इत्यादि संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# लापरवाह पुलिसकर्मियों पर पुलिस अधीक्षक उन्नाव दीपक भूकर ने की कार्यवाही

**सत्ता सकेंत।**

**उन्नाव।** दिनांक 24.09.2024 को पीआरवी-6118 थाना दही, उन्नाव के निरीक्षण के दौरान पीआरवी में नियुक्त कर्मचारीगण मु०आ० धर्मपाल, आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार, आरक्षी मुकेश कुमार गाड़ी के अन्दर बैठे पाये गये जबकि नियमानुसार एक कर्मी पीआरवी के अन्दर रहेगा बाकी सभी पीआरवी के बाहर रहेंगे। उपरोक्त कर्मचारीगण को पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव द्वारा तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए विभागीय जांच प्रारंभ की गई है.

पीआरवी 2918 थाना हसनगंज में नियुक्त मु०आ० चालक वीर प्रताप दिनांक 16.09. 2024 को शराब के नशे में ड्यूटी पर मौजूद मिले। मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा शराब पीना बताया गया। उपरोक्त मु०आ० चालक को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए विभागीय जांच प्रारंभ की गई है।

दिनांक 23.09.2024 को उ0नि0टीपी० राम प्रताप राणा, मु०आ०टी०पी० मो० तारिक तथा मु०आ० माधव सिंह की ड्यूटी समय 20.00 बजे से सुबह 08.00 बजे तक पुरवा मोड़ डायवर्जन हेतु लगाई थी। मध्य रात्रि ड्यूटी चेक की गयी तो पुरवा मोड़ पर काफी जाम लगा हुआ था तथा सही तरीके से डायवर्जन नहीं किया जा रहा था जिससे आमजनमानस काफी समय तक जाम में फसे रहे।

उक्त कर्मचारियों का यह कृत्य अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही व अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है। उपरोक्त कर्मचारीगण को पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव द्वारा तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए विभागीय जांच प्रारंभ की गई है।

# नगर पंचायत मौरावां में बंदरों का आतंक, लोग परेशान

**सत्ता सकेंत संवाददाता।**

**मौरावा उन्नाव।** नगर पंचायत मौरावां के सभी वार्ड में बंदरों का आतंक बढ़ा हुआ है। इतना ही नहीं घरों और दुकानों में घुसकर सामग्री को लेकर भाग जाते है। जिससे लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

मौरावां नगर पंचायत में महिलाएं बच्चे छतो पर जाने से डरते हैं। जहा महिलाए घरों में सामान की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बंदर एंटीना, पानी की टंकी और टीवी की छतरी को नुकसान पहुंचा रहे हैं।आपको बता दें कि राह चलते राहगीरों पर भी बंदर हमला कर दे रहे हैं।बंदर कई लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। घरों व दुकानों में घुसकर बंदर सारा सामान तितर-बितर कर रहे हैं।

यदि किसी ने इन्हें भगाने की कोशिश की तो यह उग्र हो जाते हैं। और उस पर हमला कर देते हैं। फिलहाल नगर पंचायत में बंदरों को पकड़वाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

# चोरी व अवैध वशूली करने वाले गैंग के 4 अभियुक्त चोरी के समान के साथ गिरफ्तार

## अटौरा चैकी इंचार्ज व गुरबक्शगंज थाने की पुलिस ने दिखाई कार्य दक्षता चार चोर गिरफ्तार

**रायबरेली, संवाददाता।**

जिले के गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीते 3 माह में करीब 17 से 18 चोरियां हो चुकी हैं। जिसको लेकर विभिन्न गांव वालों ने पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चोरों को पकड़ने के लिए रात-रात जागकर गांव के आसपास आने जाने वाले लोगों पर निगरानी रखने लगे,। इस दौरान कई लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ कर पिटाई भी की और पुलिस के हवाले कर दिया।

लगातार हो रही इन चोरियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा द्वारा गुरबक्शगंज थाने की पुलिस टीम व अटौरा चैकी इंचार्ज की टीम बनाकर जब इन चोरों को पकड़ने का जाल बिछाया गया तो पुलिस के हाथ कई ऐसे सुराग लगे जिनमें कई सफेद पोस नेताओं के भी चेहरे पर कालिक पोत जाएगी जिसके लिए पुलिस द्वारा तस्दीक की जा रही है।

गौरतलब है कि थाना क्षेत्र में दिनों चोरों के द्वारा लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गुरबक्शगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सघन वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए शातिर अपराधियों से गहन पूछताछ पर पता चला कि गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र में विगत दिनों हुई कुछ चोरियों में इन चार अभियुक्तों की संलिप्तता हैं।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त अवैध वसूली, चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पकड़े गए लोग अलग-अलग जनपद के रहने वाले हैं।पकड़े गए आरोपियों के पास सोने,चांदी के आभूषण,व और कार बरामद हुई हैं।आरोपियों के अलग अलग थानों में मुकदमे दर्ज है।

# हर दिन कॉफी पीने से

## मधुमेह, उच्च रक्तचाप और फैटी लीवर का खतरा हो सकता है कम

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

एक शीर्ष न्यूरोलॉजिस्ट ने बताया कि रोजाना 3 से 5 कप कॉफी पीने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और फैटी लीवर का खतरा कम हो सकता है।कॉफी को कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए जाना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ ने इसे बिना चीनी और कम दूध के साथ पीने का सुझाव दिया है।हैदराबाद के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के डॉ. सुधीर कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कॉफी के कुछ स्वास्थ्य लाभ बताए।उन्होंने कहा, ₹कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, कोरोनरी धमनी रोग, स्ट्रोक, फैटी लीवर, उच्च रक्तचाप, क्रोनिक किडनी रोग, अवसाद और कुछ कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।"उन्होंने कहा, कॉफी पीने से उम्र बढ़ती है। प्रतिदिन 3 से 5 कप कॉफी सुरक्षित और सेहत के लिए लाभकारी होती है।"उन्होंने इसमें एक जरूरी बात पर जोर देते हुए कहा कि कॉफी में चीनी मिलाने से बचें।विशेषज्ञ ने अनिद्रा से पीड़ित लोगों को सोने से लगभग 5-6 घंटे पहले कॉफी नहीं पीने की सलाह दी।

उन्होंने कहा, ₹गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन 1 से 2 कप कॉफी का सेवन ही करना चहिए। गंभीर उच्च रक्तचाप वाले लोगों को ग्रीन टी का सेवन करना चहिए। अगर कॉफी पीने का मन हो तो प्रतिदिन एक कप कॉफी ली जा सकती है।"विशेषज्ञ ने बताया, उच्च रक्तचाप रोधी पोषक तत्वों (जैसे, विटामिन ई, नियासिन, पोटेशियम और मैग्नीशियम) और पॉलीफेनॉल्स की उच्च मात्रा के कारण कॉफी उच्च रक्तचाप के जोखिम से जुड़ी है।कुमार ने सुझाव दिया कि गंभीर उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग कॉफी की तुलना में ग्रीन टी पसंद कर सकते हैं।कई शोधों ने पार्किंसंस और अल्जाइमर रोगों सहित कॉफी के स्वास्थ्य लाभों का समर्थन किया है।

न्यूरोलॉजी पत्रिका के अप्रैल अंक में ऑनलाइन प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि कॉफी का सबसे अधिक सेवन करने वालों में पार्किंसंस रोग होने का जोखिम उन लोगों की तुलना में 37 प्रतिशत कम होता है, जो कॉफी नहीं पीते हैं। एसीएस के जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फूड केमिस्ट्री में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि एस्प्रेसो में मौजूद मिश्रण अल्जाइमर रोग को शुरू में ही रोकने में मदद कर सकते हैं। ये मिश्रण टॉव प्रोटीन के जमाव को रोकने का काम करते है।

# मॉडल क्रिस्टीना, जिसका पति ने किया कत्ल !

## लाश के टुकड़े कर ग्राइंडर में पीसे, पिता को घर के डस्टबिन में मिला था कटा हुआ सिर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

कहते हैं सोशल मीडिया की दुनिया और असल जिंदगी में जमीन-आसमान का फर्क होता है। जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया में दिख रही हर चीज सच हो। कई मायनों में ये कहावत सही साबित होती है। स्विटजरलैंड की मॉडल और कैटवॉक कोच क्रिस्टीना जोक्सिमोविक अक्सर अपने पति थॉमस और बच्चों के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करती थीं। देखने में उनका परिवार बेहद खुशहाल और परफेक्ट लगता था, लेकिन एक रोज हर किसी का ये भ्रम टूट गया। मशहूर मॉडल क्रिस्टीना अचानक लापता हो गईं। घंटों की तलाश के बाद पिता को उनका सिर घर के बेसमेंट में रखे एक प्लास्टिक बैग में मिला। मामले में पहली गिरफ्तारी क्रिस्टीना के पति थॉमस की हुई। आरोप थे कि थॉमस ने पहले क्रिस्टीना को पीट-पीटकर उनकी हत्या की, लाश के टुकड़े किए और फिर उन्हें ग्राइंडर में पीस-पीसकर उसका कीमा बना दिया।

खबर ये भी रही कि क्रिस्टीना ने अपने पति पर चाकू से हमला किया था, लेकिन जांच में जो सच्चाई सामने आई, वो सुनकर हर कोई सिहर उठा। साल 1986 में स्विटजरलैंड में जन्मीं क्रिस्टीना जोक्सिमोविक एक संपन्न परिवार से ताल्लुक रखती थीं। बचपन से ही उनकी रुचि ग्लैमर वर्ल्ड में थी। यही वजह रही कि वो कम उम्र से ही मॉडलिंग से जुड़ गईं। साल 2003 में महज 17 साल की उम्र में क्रिस्टीना ने मिस नॉर्थ-वेस्ट स्विटजरलैंड का खिताब हासिल किया। इसके बाद उन्हें स्विटजरलैंड में और मॉडलिंग प्रोजेक्ट मिलने लगे। 21 साल की उम्र में क्रिस्टीना ने मिस स्विटजरलैंड में हिस्सा लिया, जिसमें वो फाइनलिस्ट रहीं। उस साल अमांडा अम्मान ने मिस स्विटजरलैंड का खिताब जीता था। इसके बाद से ही क्रिस्टीना मॉडलिंग की दुनिया का जाना-माना नाम बन गईं। वो बतौर मॉडल और कैटवॉक ट्रेनिंग कोच काम कर रही थीं। साल 2017 में क्रिस्टीना ने थॉमस से शादी कर ली, जिसके बाद उन्होंने 2020 में पहली बेटी और 2021 में दूसरी बेटी को जन्म दिया। क्रिस्टीना सोशल मीडिया पर अक्सर मॉडलिंग वर्ल्ड और परिवार की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट किया करती थीं। अगस्त 2023 में उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने परिवार को अपनी दुनिया कहा था। 13 फरवरी 2024 क्रिस्टीना अपने परिवार के साथ स्विटजरलैंड के बेसल के पास स्थित बिर्निंगिन के पॉश इलाके में रहा करती थीं। हर किसी के लिए ये एक आम दिन था। हर रोज की तरह क्रिस्टीना ने अपने दोनों बच्चों को तैयार किया और किंडरगार्डन छोड़ा। बच्चों को किंडरगार्डन से लाने की जिम्मेदारी भी क्रिस्टीना की ही थी। दोपहर में जब क्रिस्टीना बच्चों को लेने स्कूल नहीं पहुंचीं, तो स्टाफ मेंबर्स ने उनके नंबर पर कॉल किया। वो नंबर बंद था, तो स्कूल मैनेजमेंट ने क्रिस्टीना के पेरेंट्स को कॉल कर इसकी जानकारी दी और बच्चों को ले जाने को कहा। घरवालों ने फिक्रमंद होकर जब क्रिस्टीना के पति थॉमस को कॉल किया, तो जवाब मिला कि वो कुछ समय पहले ही स्कूल के लिए निकली थीं। जब क्रिस्टीना घंटों बाद भी स्कूल नहीं पहुंचीं, तो उनके पिता ने स्कूल पहुंचकर बच्चों को पिक किया।

वो बच्चों के साथ सीधे क्रिस्टीना के बिर्निंगिन स्थित घर पहुंचे। थॉमस उस समय घर पर ही मौजूद था। क्रिस्टीना के पिता लगातार थॉमस से उनकी गैरमौजूदगी पर सवाल करते रहे, लेकिन वो बस यही कहता रहा कि उसे इसकी कोई जानकारी नहीं है। क्रिस्टीना के पिता को घर में परेशान होते देख, थॉमस ने उनसे साथ डिनर करने को पूछा, जिसके लिए वो राजी हो गए। क्रिस्टीना के पिता उनकी मां को लेने के लिए कुछ घंटों के लिए अपने घर निकले और फिर वापस वहां लौट आए। थॉमस ने सभी के लिए डिनर तैयार किया और सबने मिलकर शराब पी। डिनर के दौरान भी क्रिस्टीना के पिता उनके लिए फिक्रमंद होते रहे। वो बार-बार उनके नंबर पर कॉल कर रहे थे, लेकिन फोन लगातार बंद आ रहा था। डिनर टेबल पर क्रिस्टीना के पिता ने कहा कि वो उनकी मिसिंग कम्प्लेंट दर्ज करवाना चाहते हैं, लेकिन थॉमस ने कहा कि उन्हें 24 घंटे तक इंतजार करना चाहिए।

डिनर के बाद क्रिस्टीना के पिता फिक्रमंद होकर लिविंग एरिया में बैठ गए, जबकि थॉमस ने बच्चों को खाना खिलाकर सुला दिया। क्रिस्टीना के पिता कुछ देर बैठने के बाद उठे और घर में इधर-उधर घूमकर पता लगाने की कोशिश करने लगे कि आखिर वो कहां जा सकती है। हर तरफ जांच करने के बाद वो बेसमेंट में स्थित लॉन्ड्री रूम पहुंचे, जहां उनकी नजर एक काले प्लास्टिक बैग पर पड़ी। उस बैग से कुछ सुनहरे बालों की लटें बाहर की तरफ दिख रही थीं। ठीक ऐसे ही बाल उनकी बेटी क्रिस्टीना के भी थे। उन्होंने जब घबराहट में करीब जाकर वो बैग खोला तो उसमें क्रिस्टीना का कटा हुआ सिर था। ये मंजर देखते ही वो सिहर उठे। जिस बेटी की तलाश में सुबह से परेशान थे, उसकी बेरहमी से हत्या की जा चुकी थी और उनकी आंखों के सामने उसका सिर था। वो तुरंत बेसमेंट से भागकर गैराज तक पहुंचे। उन्होंने गैराज का दरवाजा खोला और सड़क पर जाकर मदद मांगने के लिए जोर-जोर से चीखने लगे। एक कार उनके पास आकर रुकी तो उन्होंने तुरंत पुलिस बुलाने को कहा। वो घर लौटे और उन्होंने गुस्से में थॉमस पर चीखना शुरू कर दिया।

इस दौरान भी थॉमस बस यही कहता रहा कि उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। कुछ ही मिनटों में पुलिस पहुंची और थॉमस को गिरफ्तार कर लिया गया। जैसे ही पुलिस ने घर की तलाशी लेनी शुरू की, तो मंजर देखकर हर कोई सिहर उठा। क्रिस्टीना का कत्ल उसी घर में हुआ था। जांच के दौरान बेसमेंट के वॉशिंग एरिया में खून के धब्बे मिले, जब फोरेंसिक टीम की मदद से गहराई से जांच की गई, तो क्रिस्टीना के शरीर के कई टुकड़े मिले। इतना ही नहीं, वॉशिंग एरिया में रखे एक बर्तन में पिसा हुआ मांस भी मिला। मांस को इतना महीन पीसा गया था कि पुलिस को लगा मानो वो कोई आम मांस हो, हालांकि फोरेंसिक टीम ने साफ किया कि वो किसी जानवर का नहीं बल्कि इंसान का मांस है। कुछ बर्तनों में मांस को एक एसिडिक केमिकल में मिलाया गया था, शायद ऐसा बदबू छिपाने के लिए किया गया था। जब ग्राइंडेड मांस और शरीर के अन्य टुकड़ों को क्रिस्टीना के डेंटल रिकॉर्ड और फैमिली डीएनए से मैच किया गया, तो साबित हो गया कि वो टुकड़े और ग्राइंडेड मांस क्रिस्टीना का ही था। गिरफ्तारी के दौरान थॉमस लगातार यही दिखावा करता रहा कि उसका इन सब से कोई ताल्लुक नहीं है। हालांकि जब सख्ती बरती गई तो थॉमस ने बताया कि जब दोपहर को वो घर लौटा तो क्रिस्टीना घर में मृत थीं। वो घबरा गया कि कहीं हत्या का आरोप उस पर न लगे, इस डर से उसने लाश के टुकड़े किए, फिर उन्हें पीस दिया। यूके मीडिया आउटलेट एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक जांच के दौरान मेडिकल टीम ने पाया कि थॉमस की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वो मानसिक तौर पर बीमार था और अजीबो-गरीब बातें कर रहा था।

**खास खबर**

### जापान में भूकंप के तेज झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

**टोक्यो।** जापानी द्वीपों में मंगलवार की सुबह 5.9 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किये जाने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई और निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया। जापान की मौसम एजेंसी ने इजू द्वीप और ओगासावारा द्वीप के लिए चेतावनी जारी की है और कहा है कि 01 मीटर तक की सुनामी लहरें तेजी से आ रही हैं और स्थानीय समयानुसार सुबह 9:00 बजे के आसपास इसके आने की उम्मीद है।

### वियतनाम में भारी वर्षा से तीन लोगों की मौत

**हनोई।** वियतनाम के मध्य क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी वर्षा होने के कारण तीन लोगों की मौत हो चुकी है। प्राकृतिक आपदा रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति ने मंगलवार को रिपोर्ट दी कि न्घे एन प्रांत में अचानक आई बाढ़ में तीन लोग बह गए। इसके अलावा, थान होआ, न्घे आन, हा तिन्ह, थुआ थिएन-ह्यू और क्वांग नाम प्रांतों में 329 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गये। क्षेत्र में लगभग पांच हजार हेक्टेयर चावल और कृषि उपज जलमग्न हो गई।सामान्य सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, इस वर्ष के पहले आठ महीनों में दक्षिण पूर्व एशियाई देश में प्राकृतिक आपदाओं में 147 लोग मारे गए और लापता हुए हैं।

### इंडोनेशिया में भूकंप के जोरदार झटके

**जकार्ता।** इंडोनेशिया के गोरोंटालो प्रांत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये।इंडोनेशिया की जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मापी गयी, लेकिन इसके कारण समुद्र में ऊंची लहरें नहीं उठीं। एजेंसी ने बताया कि भूकंप के झटके जकार्ता समयानुसार मंगलवार को तड़के 02:51 बजे महसूस किये गये। इसका केंद्र गोरोंटालो शहर से 77 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र तल से 132 किमी की गहराई में था।

# भारत से तकरार, चीन संग यारी!

## अनुरा कुमारा दिसानायके का श्रीलंकाई राष्ट्रपति बनना दिल्ली के लिये बड़ी चिंता

**कोलंबो, एजेंसी।**

अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। अनुरा ने 21 सितंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा को करीब 13 लाख वोटों से हराने के बाद सोमवार को शपथ ली है। 55 वर्षीय वामपंथी नेता अनुरा जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के प्रमुख हैं। उनकी पार्टी को भारत के विरोध और चीन प्रति हमदर्दी के लिए जाना जाता रहा है। ऐसे में अनुरा के हाथ में श्रीलंका की सत्ता के आने को भारतीय हितों के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है।

अनुरा ने भारत से दोस्ती के संकेत दिए है लेकिन ये सवाल बरकरार है कि उनके राष्ट्रपति बनने का नई दिल्ली के लिए क्या मतलब होगा। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, एकेडी कहे जाने वाले अनुरा कुमारा दिसानायके की चीन से करीबी किसी से छुपी नहीं है और बीजिंग की श्रीलंका में उपस्थिति बढ़ाने की कोशिशें भी जगजाहिर हैं। श्रीलंका अपना रणनीतिक हंबनटोटा बंदरगाह 99 साल की लीज पर बीजिंग को सौंप चुका है। श्रीलंका की अंदरुनी राजनीति पर नजर रखने वाले आर भगवान सिंह ने डेक्कन हेराल्ड से बात करते हुए कहा कि एकेडी की जीत भारत के लिए एक चुनौती है। इसकी वजह ये है कि एकेडी का स्वाभाविक सहयोगी स्पष्ट रूप से चीन होगा।

**रिश्तों में विश्वास की कमी, भारतीय प्रोजेक्ट में अड़ंगा लगाने का डर!**

एकेडी को 1987 में भारतीय शांति सेना के खिलाफ जेवीपी के विद्रोह के दौरान ही पहली बार प्रसिद्धि मिली थी। उनकी पार्टी जेवीपी ने 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते का विरोध किया था, जिस पर तत्कालीन लंकाई राष्ट्रपति जेआर जयवर्धने और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। एकेडी का इतिहास भारत की चिंता बढ़ाता है।

हालांकि श्रीलंका के बीते वर्षों में भारत से रिश्ते अच्छे रहे हैं और 2022 के आर्थिक संकट से उबरने में मदद के लिए भी दिल्ली ने 4 बिलियन डॉलर की मदद की थी। इसके बाद श्रीलंका में लंबित कई भारतीय परियोजनाओं को शुरू किया गया लेकिन ऐसे भी अंदेशे हैं कि एकेडी इनमें से कुछ भारतीय समूह की परियोजनाओं को रोक सकते हैं। एकेडी के चीन के प्रति झुकाव और भारत विरोधी इतिहास के बावजूद एक्सपर्ट का मानना है कि उनके लिए नई दिल्ली को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। उन्होंने बीते कुछ समय में भारत के साथ जुड़ने की उत्सुकता भी दिखाई है। दिसानायके की पार्टी ने हालिया समय में उस तरह की भारत विरोधी बयानबाजी नहीं की है, जो वह करती रही है।

श्रीलंका की संप्रभुता और हितों को सुनिश्चित करने के लिए दिसानायके भारत की अहमियत को समझ रहे हैं। दिसानायके ने इसी साल फरवरी में भारत का दौरा भी किया था। इस दौरान वह विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मिले थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीन को लेकर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के कदम पर भारत की नजर रहेगी। नई दिल्ली को ना केवल हिंद महासागर क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों के कारण बल्कि श्रीलंका में तमिल प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए भी कोलंबो के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता है। वहीं दिसानायके को भी भारत के महत्व का एहसास है। ऐसे में दोनों पक्षों में 'विश्वास की कमी' की खाई को पाटना सबसे जरूरी है।

# सेंसेक्स फिसला

**मुंबई, एजेंसी।**

विश्व बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, वित्तीय सेवाएं, दूरसंचार, रियल्टी और सर्विसेज समेत आठ समूहों में हुई बिकवाली से आज सेंसेक्स मामूली गिरावट पर रहा।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 14.57 अंक फिसलकर 84,914.04 अंक पर रहा।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1.35 अंक बढ़कर 25,940.40 अंक पर सपाट बंद हुआ। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में घटबढ़ रही। इससे मिडकैप 0.21 प्रतिशत चढ़कर 49,621.69 अंक पर पहुंच गया जबकि स्मॉलकैप 0.04 प्रतिशत उतरकर 57,475.58 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4076 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2045 में गिरावट जबकि 1932 में तेजी रही वहीं 99 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 25 कंपनियों में लिवाली जबकि 25 में बिकवाली हुई।बीएसई के आठ समूह में गिरावट का रुख रहा।

इससे सीडी 0.07, एफएमसीजी 0.75, वित्तीय सेवाएं 0.40, दूरसंचार 0.57, बैंकिंग 0.30, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.31, रियल्टी 0.32 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.45 प्रतिशत गिर गए। वहीं, कमोडिटीज 0.95, यूटिलिटीज 1.18, कैपिटल गुड्स 0.48, धातु 2.78, तेल एवं गैस 0.61 और पावर समूह 1.38 प्रतिशत चढ़ गया।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.34, जर्मनी का डैक्स 0.66, जापान का निक्केई 0.57, हांगकांग का हैंगसेंग 4.13 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 4.15 प्रतिशत उछाल गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 68 अंक गिरकर 84,860.73 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद 84,716.07 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह पहली बार 85 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 85,163.23 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 84,928.61 अंक के मुकाबले 0.02 प्रतिशत फिसलकर84,914.04 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 18 अंक उतरकर 25,921.45 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,886.85 अंक के निचले जबकि 26,011.55 अंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले सत्र के 25,939.05 अंक की तुलना में 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त लेकर 25,940.40 अंक पर सपाट बंद हुआ।

## पेज 1 का शेष

### ढाबा-होटल में मालिक का....

की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किये जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबन्ध किए जाने आवश्यक हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। उन्होंने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ढाबों/रेस्टोरेंट्स आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जाए। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, पुलिस व स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए।खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिये। इस सम्बन्ध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ढाबों/होटलों/रेस्टोरेंट्स आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सी0सी0टी0वी0 कैमरों की व्यवस्था होनी चाहिए। ग्राहकों के बैठने के स्थान सहित प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सी0सी0टी0वी0 कैमरों से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सी0सी0टी0वी0 कैमरों की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा।

### सड़कों को दशहरा से पहले करें....

सम्पन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्व व त्योहारों पर आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है। इस दौरान विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में आते हैं। प्रत्येक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। गड्ढा मुक्ति व सड़कों की मरम्मत का काम अच्छी गुणवत्ता के साथ किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने मण्डी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। किसानों की सुविधा का खास ध्यान रखते हुए, एफ0डी0आर0 पद्धति से सड़कें बनायी जाएं। इस पद्धति के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों, धन व समय की बचत होती है तथा कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मण्डी समिति के अन्तर्गत आने वाली सभी सड़कों की मरम्मत एवं ड्रेनेज का कार्य निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने एन0एच0ए0आई0 के अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि जब तक हाईवे का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए, तब तक टोल टैक्स की वसूली न की जाए।गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है। सभी विभागों में बेहतर नियोजन की आवश्यकता है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि सड़क बनाने वाली एजेंसी/ठेकेदार सड़क बनने के अगले 05 वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएं। इस बारे में नियम-शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। विभागीय मंत्री व अधिकारी फील्ड में रैंडम दौरा कर निर्माण परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। कार्यों में जवाबदेही भी तय की जाय। उन्होंने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल देते हुए कहा कि सभी विभागों के पास सड़क मरम्मत के लिए पर्याप्त इक्विपमेंट होने चाहिए। सड़कों के पैच ठीक करने की कार्रवाई ऑटो मोड पर की जानी चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सड़कों पर किए जाने वाले बेतरतीब कार्यों से दुर्घटना होने की सम्भावना बनती है। सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइप लाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। सड़कों पर ऊंचे ब्रेकर से भी दुर्घटना होने की सम्भावना बनती है। अतः सड़कों पर टेबल टॉप ब्रेकर का निर्माण किया जाए। गड्ढा मुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग करायी जाए। इसे पी0एम0 गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाए। पोर्टल के माध्यम से कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनीटरिंग की जाए। एक्सप्रेस-वे की मरम्मत का कार्य भी आगे बढ़ाया जाए, जिससे आगामी पर्व व त्योहारों पर लोगों का आवागमन सुगम हो सके। सांसद तथा विधायक निधि के अंतर्गत बनी सड़कों की मरम्मत के लिए कार्य योजना तैयार की जाए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा गन्ना समिति तथा विद्यालयों के भवनों की मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम सचिवालयों की अवधारणा को केन्द्र सरकार ने मॉडल के रूप में स्वीकार किया है। ग्राम सचिवालयों की तर्ज पर गन्ना समिति के कार्यालयों का भी अपग्रेडेशन किया जाए।

### एक और रेल....

अनदेखा करने के लिए जारी किया जाता है, जहां ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब होता है। हालांकि, ऐसे पीएलसीटी में उस दूरी के भीतर 15 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति सीमा होती है जहां ऑथराइजेशन सिग्नलिंग काम नहीं करता है।31 जुलाई को फिर दार्जिलिंग जिले में उसी स्थान पर एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गये थे।

### बिहार जा रही महाबोधि एक्सप्रेस....

को महाबोधि एक्सप्रेस के गार्ड ने मिजार्पुर स्टेशन में प्रवेश करते समय गार्ड ब्रेक पर पत्थर आकर टकराने की आवाज आने की सूचना दी। मिजार्पुर आरपीएफ को तुरंत सुचित किया गया। आरपीएफ टीम के मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया लेकिन वहां कोई संदेहास्पद व्यक्ति नहीं मिला।श्री त्रिपाठी ने बताया कि इस घटना में किसी व्यक्ति के चोट अथवा हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐसी संभावना है कि कोई गिट्टी के छिटकने अथवा कहीं से आकर गार्ड ब्रेक पर टकराई हो। एहतियातन अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है इसके अलावा सोमवार को प्रयागराज से बिहार जा रही सीमांचल एक्सप्रेस पर यमुना पुल के पास एक व्यक्ति ने बताया कि एस-3 कोच के बाहर से एक पत्थर आकर उसे लगा जिससे उसे चोट लगी। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति के वक्तव्य के अनुसार एक पागल किस्म के व्यक्ति ने पत्थर फेंका था। यहां पर भी घटनास्थल पर आरपीएफ की टीम ने मुआयना किया लेकिन कोई नहीं मिला। उसे मिजार्पुर में प्राथमिक उपचार दिया गया। एहतियातन इस मामले में भी संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

### समाज की आधार शक्ति है अन्य.....

की गतिविधियों को और अधिक जनोपयोगी बनाने पर बल देते हुए कहा कि ओ0बी0सी0 समाज को राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोग को सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। पिछड़ा वर्ग समाज के युवाओं में बहुत प्रतिभा और मेधा है, उन्हें मंच देने की आवश्यकता है। आयोग को इस दिशा में बेहतर कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री जी ने विभागीय अधिकारियों को आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों के लिए पर्याप्त कक्षों की उपलब्धता कराने तथा आयोग के सुचारु क्रियाकलाप के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

### कांग्रेस पर फिर बरसीं....

आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। इनके इस दोहरे मापदण्ड से लोग सचेत रहें। उन्होंने आगे कहा कि यह भी सच है कि केंद्र में इनकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मण्डल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। साथ ही, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को भी कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अभी तक लंबित है।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि ना ही इस मामले में इनकी सरकार ने कोर्ट में सही से पैरवी की थी। इस आरक्षण विरोधी कांग्रेस व अन्य पार्टियों से भी लोग सजग रहें। साथ ही, केंद्र में रही कांग्रेसी सरकार द्वारा जातीय जनगणना नहीं कराना और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठाना, यह सब ढोंग नहीं तो और क्या है?बता दें कि यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि देश में अभी तक के हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साबित होता है कि खासकर कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियों को अपने बुरे दिनों में तो कुछ समय के लिए इनको दलितों को मुख्यमंत्री व संगठन आदि के प्रमुख स्थानों पर रखने की जरूर याद आती है।

### नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जमीन.....

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भिक्षावृत्ति की अवैध गतिविधियों से फंसे बच्चों को मुक्त कराकर उनकी पढ़ाई, आवास आदि की व्यवस्था कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य महिला आयोग भी इस कार्य में प्रभावी योगदान दे। भारत सरकार के सहयोग से वृंदावन में निराश्रित महिलाओं के लिए कृष्णा कुटीर की स्थापना की गई है। महिला संरक्षण गृह भी संचालित हैं। यहां निवासरत महिलाओं में बहुत सी शिक्षित हैं। कुछ महिलाओं में हस्तशिल्प का हुनर है और कई अन्य विधाओं की जानकार भी हैं। इनकी प्रतिभा व क्षमता का सही उपयोग किया जाए। इसके लिए राज्य महिला आयोग को इन महिलाओं से संवाद कर अपने सुझाव देने चाहिए। राज्य महिला आयोग की पदाधिकारियों द्वारा महिला संवासिनी गृहों, अटल आवासीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों, महिला छात्रावासों, आश्रम पद्धति के विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाना चाहिए।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रूद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।